<u>आडिट प्रस्तर/समयबद्व</u>

<u>संख्या-57/1075/84-1-13-20बामा(आडिट)/2013</u>

प्रेषक,

धर्म चन्द्र पाण्डेय,
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1-नियंत्रक,
विधिक माप विज्ञान विभाग,
उ0प्र0, लखनऊ।

2- निवंधक,
राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग,
उ0प्र0 लखनऊ।

3-अधिशासी निदेशक,
उ0प्र0 राज्य कर्मचारी कल्याण निगम,
जवाहर भवन, लखनऊ।

<u>उपभोक्ता संरक्षण एवं बाट माप अनुभाग-1</u> लखनऊ दिनॉक 17 अक्टूबर, 2013

विषय- दिनॉक 31 मार्च, 2012 को समाप्त हुए वर्ष के लिये भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का प्रतिवेदन संख्या-3 (राजस्व क्षेत्र) पर व्याख्यात्मक टिप्पणी उपलब्ध कराये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासन के पत्र संख्या-30/1002/84-1-13-20बामा(आडिट)2013, दिनॉक 30 सितम्बर, 2013 तथा अनुस्मरण पत्र दिनॉक 10 अक्टूबर,2013 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विभाग से संबंधित आडिट आपत्तियों पर अलग-अलग सुसंगत एवं सुस्पष्ट व्याख्यात्मक टिप्पणी समयबद्व रूप से उपलब्ध कराये जाने का अनुरोध किया गया था, जो अभी तक शासन में अप्राप्त है। अत: अनुरोध है कि कृपया प्रकरण में व्यक्तिगत ध्यान देकर अपने विभाग से संबंधित आडिट आपत्तियों पर अलग-अलग सुसंगत एवं सुस्पष्ट व्याख्यात्मक टिप्पणी दो प्रतियों में (सी0डी0 सहित) शासन को **<u>तीन दिवस के अन्दर</u>** अवश्य उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(धर्म चन्द्र पाण्डेय)
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in